President of the Republic of the Union of Myanmar Visits JNPA, Explores Port Infrastructure and Future Expansion Plans

Mumbai, June 02, 2026: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's largest container port had the honour of hosting His Excellency Mr. Min Aung Hlaing, President of the Republic of the Union of Myanmar, on Tuesday, June 02, 2026. His Excellency was accompanied by an official delegation comprising 67 officials.

Upon arrival at JNPA, the distinguished delegation was warmly welcomed by Shri Gaurav Dayal, IAS, Chairperson, JNPA, along with the Heads of Departments of JNPA.

During the visit, the delegation was given a comprehensive presentation on JNPA's port infrastructure, operational capabilities, capacity expansion initiatives, strategic development projects, sustainability measures, and future growth roadmap. The presentation also highlighted the development of the Vadhvan Port Project, envisioned as one of India's largest deep-draft ports and a key driver of maritime trade growth in the region.

The President remarked that JNPA's emergence as India's number 1 port reflects its operational excellence and robust service capabilities. He conveyed his country's interest in advancing port development initiatives and emphasized the delegation's keen interest in understanding the sector better, learning from JNPA's experience, and exploring opportunities for knowledge exchange and cooperation.

Speaking on the occasion, **Shri Gaurav Dayal, IAS, Chairperson, JNPA**, said, *"It was a privilege to welcome His Excellency Mr Min Aung Hlaing, President of the Republic of the Union of Myanmar, and the esteemed delegation to JNPA. The visit provided an excellent opportunity to showcase India's maritime capabilities, JNPA's operational excellence, and our future-oriented development initiatives, including the Vadhvan Port Project. We look forward to strengthening maritime and trade cooperation between India and Myanmar and exploring avenues for enhanced regional connectivity and economic collaboration."*

The delegation also visited the port vicinity to gain first-hand insight into the port's efficient functioning, cargo handling operations, and integrated logistics ecosystem. The visit provided an opportunity to showcase JNPA's world-class infrastructure and its contribution to facilitating international trade.

The visit underscores the growing importance of maritime cooperation and regional partnerships in advancing trade, connectivity, and sustainable economic development across the wider Indo-Pacific region.

About Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA):

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a shallow water berth for general cargo operated by Nhava Sheva Distribution Terminal Pvt. Ltd. (NSDT). A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA is operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India. JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

For media enquiries, please contact:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +91 9920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in

Visit our website and social media to learn more:
JN Port: www.jnport.gov.in
LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority
X: @JNPort
Instagram: @jnpaport
Facebook: @JNPA
— Ends —

म्यांमार के राष्ट्रपति ने जेएनपीए का दौरा कर पत्तन अवसंरचना, परिचालन क्षमताओं एवं विस्तार परियोजनाओं का अवलोकन किया

मुंबई, 03 जून 2026: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) को मंगलवार, 02 जून 2026 को म्यांमार संघ गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री मिन आंग ह्लाइंग की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति के साथ 67 अधिकारियों का एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित था।

जेएनपीए पहुंचने पर म्यांमार के माननीय प्रतिनिधिमंडल का जेएनपीए के अध्यक्ष श्री गौरव दयाल, भा. प्र. से. तथा जेएनपीए के विभागाध्यक्षों द्वारा हार्दिक एवं सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल को जेएनपीए की पत्तन अवसंरचना, परिचालन क्षमताओं, क्षमता विस्तार पहलों, रणनीतिक विकास परियोजनाओं, संधारणीय उपायों तथा भविष्य की विकास रूपरेखा पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में वाढवण पत्तन परियोजना के विकास पर भी विशेष जानकारी दी गई जिसे भारत के सबसे बड़े गहरे ड्राफ्ट (डीप-ड्राफ्ट) पत्तनों में से एक के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा जो क्षेत्र में समुद्री व्यापार वृद्धि का एक प्रमुख प्रेरक बनने की क्षमता रखता है।

महामहिम राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के अग्रणी पत्तन के रूप में जेएनपीए की उपलब्धि उसकी उत्कृष्ट परिचालन क्षमता और सशक्त सेवा तंत्र का परिचायक है। उन्होंने अपने देश में पत्तन विकास को गति देने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिनिधिमंडल जेएनपीए के अनुभवों से सीखने, पत्तन क्षेत्र की कार्यप्रणाली को निकटता से समझने तथा ज्ञान-साझाकरण एवं द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं का आकलन करने के लिए विशेष रूप से उत्सुक है।

इस अवसर पर जेएनपीए के अध्यक्ष श्री गौरव दयाल, भा. प्र. से. ने कहा, "म्यांमार संघ गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री मिन आंग ह्लाइंग तथा उनके प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल का जेएनपीए में स्वागत करना हमारे लिए गौरव की बात है। इस यात्रा ने भारत की समुद्री क्षमताओं, जेएनपीए की परिचालन उत्कृष्टता तथा वाढवण पत्तन परियोजना सहित हमारी भविष्य उन्मुख विकास पहलों को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया है। हम भारत और म्यांमार के बीच समुद्री एवं व्यापारिक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा क्षेत्रीय संपर्क, आर्थिक साझेदारी और पारस्परिक विकास को बढ़ावा देने के नए अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

जहाँ उन्होंने पत्तन की कुशल कार्यप्रणाली, माल प्रहस्तन प्रचालन तथा एकीकृत रसद तंत्र का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस अवसर ने जेएनपीए की विश्वस्तरीय अवसंरचना तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाने में उसके महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

यह यात्रा व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में व्यापार, संपर्क-सुविधा तथा संधारणीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय साझेदारियों के बढ़ते महत्व को रेखांकित करती है।

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है।26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है| पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है।इसका संचालन न्हावा शेवा डिस्ट्रीब्यूशन टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एनएसडीटी) द्वारा किया जाता है। जेएनपीए पत्तन परिसर में स्थित एक तरल कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बीपीसीएल-आईओसीएल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है, जबकि जेएनपीए द्वारा विकसित अतिरिक्त तरल कार्गो टर्मिनल का प्रचालन मेसर्स जेएसडब्ल्यू-जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नव-निर्मित तटीय बर्थ देश के अन्य पत्तनों को जोड़ने के साथ-साथ तटीय कंटेनर यातायात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद विआक्षे भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% हरित पत्तन होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

म्यानमारचे राष्ट्रपती जेएनपीएच्या दौऱ्यावर; बंदराच्या पायाभूत सुविधांची आणि भावी विस्तार योजनांची घेतली माहिती

मुंबई, 3 जून 2026 : भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) येथे मंगळवार, 2 जून 2026 रोजी म्यानमार प्रजासत्ताक संघराज्याचे राष्ट्रपती महामहिम श्री. मिन आंग ह्लाइंग यांच्या भेटीचा सन्मान लाभला. या भेटीदरम्यान महामहिम राष्ट्रपती यांच्यासमवेत 67 सदस्यीय अधिकृत शिष्टमंडळ उपस्थित होते.

जेएनपीएमध्ये आगमनानंतर, म्यानमारच्या मान्यवर शिष्टमंडळाचे जेएनपीएचे अध्यक्ष श्री. गौरव दयाल, भा. प्र. से. आणि जेएनपीएच्या विभागप्रमुखांनी उत्साहपूर्ण व आदरपूर्वक स्वागत केले.

भेटीदरम्यान शिष्टमंडळाला जेएनपीएच्या बंदर पायाभूत सुविधा, कार्यक्षमता, क्षमता विस्तार उपक्रम, धोरणात्मक विकास प्रकल्प, शाश्वतता उपाययोजना तसेच भविष्यातील विकास आराखड्याबाबत सविस्तर सादरीकरण करण्यात आले. यावेळी भारतातील सर्वात मोठ्या खोल पाण्याच्या बंदरांपैकी एक म्हणून विकसित होत असलेल्या वाढवण बंदर प्रकल्पाची माहितीही देण्यात आली. हा प्रकल्प प्रादेशिक सागरी व्यापार वृद्धीस चालना देणारा आणि देशाच्या सागरी क्षेत्रातील महत्त्वाचा विकास टप्पा मानला जात आहे.

यावेळी महामहिम राष्ट्रपती यांनी जेएनपीएने भारतातील क्रमांक एकचे बंदर म्हणून मिळवलेले स्थान हे त्याच्या उत्कृष्ट कार्यक्षमतेचे आणि सक्षम सेवा क्षमतेचे प्रतीक असल्याचे नमूद केले. त्यांनी आपल्या देशातही बंदर विकास उपक्रमांना गती देण्याची इच्छा व्यक्त केली तसेच बंदर क्षेत्राविषयी अधिक माहिती जाणून घेणे, जेएनपीएच्या अनुभवातून शिकणे आणि ज्ञानविनिमय व परस्पर सहकार्याच्या संधींचा आढावा घेणे याबाबत शिष्टमंडळाची विशेष उत्सुकता असल्याचे सांगितले.

यावेळी बोलताना जेएनपीएचे अध्यक्ष श्री. गौरव दयाल, भा. प्र. से. म्हणाले, "म्यानमार प्रजासत्ताक संघराज्याचे राष्ट्रपती महामहिम श्री. मिन आंग ह्लाइंग आणि त्यांच्या मान्यवर शिष्टमंडळाचे जेएनपीएमध्ये स्वागत करण्याचा आम्हाला सन्मान लाभला. या भेटीमुळे भारताच्या सागरी क्षेत्रातील क्षमता, जेएनपीएची उत्कृष्ट कार्यक्षमता तसेच वाढवण बंदर प्रकल्पासह भविष्योन्मुख विकास उपक्रम सादर करण्याची एक उत्तम संधी मिळाली. भारत आणि म्यानमार यांच्यातील सागरी व व्यापारविषयक सहकार्य अधिक दृढ करण्यासाठी तसेच प्रादेशिक संपर्क, आर्थिक विकास आणि परस्पर प्रगतीस चालना देणाऱ्या नव्या सहकार्याच्या शक्यतांचा वेध घेण्यासाठी आम्ही उत्सुक आहोत."

यावेळी शिष्टमंडळाने बंदर परिसराला भेट देऊन बंदराची कार्यक्षम कामकाज पद्धती, माल हाताळणी प्रक्रिया तसेच एकात्मिक लॉजिस्टिक्स परिसंस्थेची प्रत्यक्ष पाहणी केली. या भेटीद्वारे जेएनपीएच्या जागतिक दर्जाच्या पायाभूत सुविधांचे तसेच आंतरराष्ट्रीय व्यापार सुलभ करण्यामधील त्याच्या महत्त्वपूर्ण योगदानाचे दर्शन घडविण्याची संधी मिळाली.

व्यापार, संपर्कक्षमता आणि शाश्वत आर्थिक विकासाला गती देण्यासाठी व्यापक इंडो-पॅसिफिक क्षेत्रात सागरी सहकार्य आणि प्रादेशिक भागीदारीची भूमिका अधिक बळकट होत असल्याचे या भेटीतून अधोरेखित झाले.

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) विषयी माहिती:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी. न्हावा शेवा डिस्ट्रिब्युशन टर्मिनल प्रा. लि. (एनएसडीटी) द्वारे संचालित सामान्य मालासाठी एक उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते आणि जेएनपीएने विकसित केलेले अतिरिक्त लिक्विड कार्गो टर्मिनल मेसर्स जेएसडब्ल्यू - जेएनपीटी लिक्विड टर्मिनल प्रा. लि. द्वारे चालवले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ट १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA